बाबा साहब डॉ० अम्बेडकर की दलितों में सामाजिक तथा राजनीतिक जागरण

डॉ० अजय यशराज

बाबा साहेब डॉ॰ अम्बेडकर सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत थे। उनका सम्पूर्ण जीवन सदियों से शोषित, दलित मानवता के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक उत्थान के लिए समर्पित था। उन्होंने समाज में विद्यमान रूढिगत मान्यताओं और विषमताओं को समूल नष्ट करने और सामाजिक न्याय और दलितों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए जीवनपर्यन्त संघर्ष किया। उन्होंने अपनी रचनाओं में दलित जागृति की व्याख्या की उनकी रचनाओं के आधार पर हम पाते हैं कि 20वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षो में दलित जागरण ठोस शक्ल लेने लगा था इस बात की पुष्टि 1912 में प्रकाशित 'द डिप्रेस्ड क्लासेज' से होती है जिसे 'द इण्डियन रिव्यू' के संपादक जी0 एन0 नतेशन ने अनेक गणमान्य व्यक्तियों के आलेखों और भाषणों के संकलन के रूप में प्रकाशित किया था। जिसमें कहा गया था कि पुरानी व्यवस्था समाप्त हो रही है, नई व्यवस्था शुरू हो रही है।